DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, AURANGABAD.

Syllabus of

M.A. Second Year

[Hindi]

Semester- III & IV

(Effective from June-2010 & onwards]

प्रश्नपत्र : ५ : भारतीय साहित्य

उद्देश्य :

१. भारतीय साहित्य की अवधारणा को समझाना

२. भारतीय भाषाओं के साहित्य का अध्ययन

३. तुलनात्मक साहित्य - अध्ययन का सैद्धान्तिक अध्ययन

४. तुलनात्मक - साहित्य का अध्ययन

५. विभिन्न भारतीय भाषाओं के साहित्य के सहारे भारतीयता का अध्ययन

अध्ययन - पद्धति :

१. व्याख्यान

२. रचनाकार/आलोचकों से साक्षात्कार

३. गोष्ठी/संगोष्ठी का आयोजन

४. दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग

तृतीय-सत्र

पाठ्यांश :

१. भारतीय साहित्य : अवधारणा, स्वरूप एवं समस्याएँ/ भारतीय साहित्य से तात्पर्य, भारतीय साहित्य की स्वरूपगत विशेषताएँ, भारतीय साहित्य अध्ययन की समस्याएँ

२. आधुनिक मराठी दलित साहित्य : सामान्य परिचय

३. आधुनिक बंगला नाट्य-साहित्य : सामान्य परिचय

४. प्रतिनिधि रचनाएँ :

१. **उचक्का -** लक्ष्मण गायकवाड अनु. डॉ. सुर्यनारायण रणसुभे *राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली*

२. **बाकी इतिहास** - बादल सरकार *राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली*

चतुर्थ अध्याय

पाठ्यांश :

१. तुलनात्मक साहित्य : स्वरूप एवं समस्याएँ तुलनात्मक साहित्य : तात्पर्य, स्वरूप, तथा अध्ययन की समस्याएँ

२. तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद : (कविता, कथा-साहित्य तथा नाटक)

३. आधुनिक उड़िया कविता : सामान्य-परिचय

४. आधुनिक तमिल कहानी : सामान्य-परिचय

प्रतिनिधिक रचनाएँ :

१. **वर्षा की सुबह -** सीताकांत महापात्र : *राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली*

पाठ्यक्रम में समाविष्ट कविता :

१. आकाश, २. नारी, ३. हम, ४. शब्द अब शब्द नहीं, ५. शब्द से दो बाते, ६. लट्टू, ७. खामोश रात, कवि, ८. जड़, ९. चाँदनी रात में गाँव, १०. बाहर का दरवाजा, ११. यात्रा तेरी लंबी हो, १२. चुल्हे की आग

२. **अधूरे-मनुष्य :** डी.जयकान्तन (सम्पूर्ण कहानियाँ) *ज्ञानपीठ प्रकाशन नई दिल्ली*

प्रश्नपत्र : ६ आधुनिक हिंदी कविता : सामान्य

उद्देश्य :

१. आधुनिक हिंदी कविता के विकासक्रम से परिचित होना

२. कविता के माध्यम से आधुनिक जन संवेदना के विकास का अध्ययन

३. काव्य आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास

अध्ययन पद्धति

१. व्याख्यान

२. कवि/आलोचकों से साक्षात्कार

३. दृक-श्राव्य माध्यमों का उपयोग

तृतीय सत्र

पाठ्य-पुस्तकें :

१. **कामायनी :** जयशंकर प्रसाद : *जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद*
(संदर्भ के लिए सर्ग : श्रद्धा, इड़ा तथा लज्जा)

२. **प्रसाद, निराला, पन्त महादेवी** की श्रेष्ठ रचनाएँ - सं. वाचस्पति पाठक, *लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद*

पाठ्यक्रम में समाविष्ट कवि और कविता :

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला :

१. जागो फिर एक बार, २. बादल राग (१,२,६), ३. राम की शक्तिपूजा, ४. तुलसीदास, ५. स्नेह, निर्झर बह गया है, ६. सरोज स्मृति ।

सुमित्रानन्दन पंत :

१. नौका विहार, २. चाँदनी, ३. ताज, ४. द्रुत झरो, ५. हिमाद्री ।

महादेवी वर्मा :

१. मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, २. तुम मुझ में प्रिय, ३. मैं नीर भरी दुख की बदली, ४. पंथ होने दो अपरिचित, ५. यह मंदिर का दीप ।

३. **आज के लोकप्रिय हिंदी कवि बच्चन :** सं. चंद्रगुप्त विद्यालंकार - *राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली*

पाठ्यक्रम में समाविष्ट कविता :

१.मधुशाला, २. इस पर-उस पार, ३. लहरों का निमंत्रण, ४. अग्निपथ, ५. बंगाल का काल, ६. बुद्ध और नाच घर ।

चतुर्थ सत्र

पाठ्य-पुस्तक :

१. **द्रोपदी :** नरेंद्र शर्मा *राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली*

२. **छायान्तर :** सं. नंदकिशोर नवल लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम में समाविष्ठ कवि और कविता :

१. **अज्ञेय :**

१. हरि घास पर क्षण भर, २. कलगी बाजरे की, ३. नदी के द्विप, ४. यह दीप अकेला, ५. हिरोशिमा

२. **नागार्जुन :**

१. बादल को घिरते देखा है, २. प्रेत का बयान, ३. घिन तो नहीं आती है, ४. पछाड़ दिया मेरे अस्तिक ने

३. **त्रिलोचन :**

१. चम्पा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती, २. भोरई केवट के घर, ३. रोटी, ४. उस जनपद का, ५. सुकनी बुढ़िया

४. **मुक्तिबोध :**

१. दिमागी गुहान्धकार का ओरांग-उटाँग, २. एक अरूप शून्य के प्रति, ३. ब्रह्मराक्षस, ४. भूल गलती

५. **धूमिल :**

१. बीस साल बाद, २. मोचीराम, ३. प्रौढ शिक्षा, ४. मुनसिंब कार्रवाई, ५. खून के बारे में कविता

प्रश्नपत्र : ७

भाषा विज्ञान तथा हिन्दी भाषा

उद्देश्य :

१. भाषाविज्ञान के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं का परिचय देना ।

२. भाषाविज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना ।

३. भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकासक्रम की जानकारी देना ।

४. हिंदी के शब्दभंडार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना ।

५. हिंदी के शब्द भेदों के विकासक्रम का विवरण देना ।

६. साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट कराना ।

७. लिपि के उद्‌भव और विकास के संदर्भ में देवनागरी लिपि की विशेष जानकारी देना ।

अध्यापन पद्धति :

१. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।

२. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा चर्चासत्र ।

३. दृक-श्राव्य माध्यमों/साधनों का प्रयोग ।

४. भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग ।

५. परिचर्चा तथा अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

तृतीय - सत्र

पाठ्यक्रम :

१. **भाषा :**

भाषा की परिभाषा, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा विज्ञान-स्वरूप एवं व्याप्ति।

२. **भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ :**

ऐतिहासिक, वर्णनात्मक, तुलनात्मक ।

३. **भाषाविज्ञान की शाखाएँ :**

कोशविज्ञान, व्युत्पत्ति विज्ञान, लिपि विज्ञान, समाजविज्ञान भाषा भूगोल ।

४. **स्वनविज्ञान :**

स्वनविज्ञान का स्वरूप एवं शाखाएँ, वागवयव एवं उनके कार्य, स्वन की परिभाषा, स्वन का वर्गीकरण-स्वर वर्गीकरण, व्यंजन वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वन परिवर्तन के कारण दिशाएँ ।

५. स्वनिम विज्ञान :

स्वनिम की परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ, स्वन और स्वनिम में अंतर, स्वनिमिक विश्लेषण, स्वनिम और संस्वन के भेद ।

६. रूप विज्ञान :

रूप विज्ञान की परिभाषा, स्वरूप, रूपिम के भेद, संबंधतत्त्व और अर्थतत्त्व, संबंधतत्त्व के भेद ।

७. वाक्य विज्ञान :

वाक्य की परिभाषा, स्वरूप, अभिहितान्वयवाद अन्तिभिधानवाद, वाक्य की आवश्यकताएँ, योग्यता, आकांक्षा, आसक्ति, वाक्य-विश्लेषण-उद्देश्य विधेय, आंतरिक सरंचना बाह्य सरंचना, वाक्य के भेद ।

८. अर्थविज्ञान :

अर्थविज्ञान की परिभाषा, स्वरूप , शब्द और अर्थ का संबंध अर्थबोध के साधन पर्यायता विलोमता, अनेकार्थता, अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ, अर्थपरिवर्तन के कारण ।,

९. भाषाविज्ञान और साहित्य :

साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता ।

चतुर्थ सत्र

१०. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत तथा इनकी विशेषताएँ।

मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ : पालि, प्राकृत, अपभ्रंश तथा इनकी विशेषताएँ ।

आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ : हिंदी मराठी, गुजराती, सिंधी, पंजाबी, असमिया, उडिया, बांगला, लहँदा तथा इनकी विशेषताएँ ।

११. आाधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का वर्गीकरण :

हार्नले का वर्गीकरण, जार्ज ग्रियर्सन का वर्गीकरण, सुनीतिकुमार चाटुर्जा तथा हरदेव बाहरी का वर्गीकरण ।

१२. हिंदी की उपभाषाएँ तथा बोलियाँ :

पूर्वी हिंदी की बोलियाँ, पश्चिमी हिंदी की बोलियाँ, बिहारी हिंदी की बोलियाँ ।

राजस्थानी तथा पहाड़ी हिंदी की बोलियाँ, सामान्य परिचय तथा व्याकरणिक विशेषताएँ ।

१३. हिंदी का शब्दसमूह :

तत्सम, तद्भव, देशी, विदेशी तथा संकर ।

१४. हिंदी का शब्द निर्माण :

उपसर्ग, प्रत्यय, समास ।

१५. हिंदी का व्याकरणिक स्वरूप और विकास :

रूप रचना-लिंग, वचन और कारक व्यवस्था ।

१६. हिंदी के विविध रूप :

संपर्क भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मातृभाषा ।

१७. लिपिविज्ञान :

लिपि का उद्‌भव और विकास, देवनागरी लिपि उद्‌भव एवं विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, मानकीकरण तथा सुधार ।

संदर्भ ग्रंथ :

१.	भाषाविज्ञान तथा भाषाशास्त्र		-	डॉ. कपिल देव द्विवेदी ।
२.	भाषाविज्ञान	४	-	डॉ. भोलानाथ तिवारी ।
३.	भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषाविज्ञान		-	डॉ. अंबादास देशमुख ।
४.	हिंदी भाषा का इतिहास		-	डॉ. भोलानाथ तिवारी ।
५.	सरल भाषाविज्ञान		-	डॉ. अशोक के शहा ।
६.	भाषा और भाषिकी		-	डॉ. देवीशंकर द्विवेदी ।
७.	हिंदी भाषा		-	डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया ।
८.	भाषा विज्ञान		-	डॉ. दानबहादुर पाठक ।
९.	स्वनिम विज्ञान और हिंदी की स्वनिम व्यवस्था		-	शारदा भसीन ।
१०.	हिंदी उद्‌भव विकास और रूप		-	डॉ. हरदेव बाहरी ।
११.	भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिंदी भाषा		-	डॉ. अंबादास देशमुख ।

प्रश्नपत्र - ८ वैकल्पिक प्रश्नपत्र : व्यावसायिक वर्ग

१. प्रयोजनमूलक हिंदी

उद्देश्य :

१. हिंदी भाषा के विविध रूपों का परिचय देना
२. कार्यालयी हिंदी भाषा की विशेषताओं एवं प्रकार्य की जानकारी देना
३. पारिभाषिक शब्दावली के महत्त्व, स्वरूप, निर्माण के सिद्धांत तथा ज्ञानविज्ञान के क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली का परिचय देना
४. काम्प्यूटर का परिचय-इतिहास, महत्त्व, उपयोगिता की जानकारी देना
५. अनुवाद का स्वरूप, प्रक्रिया, प्रकार तथा उसकी उपयोगिता का ज्ञान देकर अनुवाद के विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग का अभ्यास करवाना

अध्यापन पद्धति :

१. व्याख्यान तथा विश्लेषण
२. संगोष्ठी स्वाध्याय तथा चर्चासत्र का आयोजन
३. दृक-श्राव्य माध्यमों/साधनों का प्रयोग
४. प्रयोगशाला का प्रयोग
५. परिचर्चा तथा अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

तृतीय सत्र

खण्ड (क) : कामकाजी हिन्दी

१. हिंदी के विभिन्न रूप : सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मातृभाषा

२. कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूपण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण

३. पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप, महत्त्व शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

४. काम्प्यूटर और हिंदी काम्प्यूटर का परिचय, इतिहास, महत्त्व, उपयोगिता प्रकार, इंटरनेट, ई-मेल, हिंदी सॉफ्टवेअर पैकेज ।

खण्ड (ख) : अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार

१. अनुवाद : स्वरूप, प्रक्रिया एवं प्रविधि तथा क्षेत्र

२. अनुवाद : परिक्षण तथा मूल्यांकन

३. कार्यालयी हिंदी और अनुवाद

४. जनसंचार माध्यमों में अनुवाद

५. वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद

६. वैचारिक साहित्य में अनुवाद

७. वाणिज्यिक अनुवाद

चतुर्थ सत्र

खण्ड ग : पत्रकारिता

१. पत्रकारिता का स्वरूप, उद्देश्य महत्त्व एवं प्रकार

२. समाचार लेखन कला

३. संपादन के आधारभूत तत्त्व

४. संपादकीय लेखन

५. साक्षात्कार, पत्रकार एवं प्रेस प्रबंधन

६. प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता

खण्ड घ : मीडिया लेखन

१. विविध जनसंचार माध्यमों का स्वरूप : मुद्रण, श्रव्य, दृक-श्राव्य माध्यम, इंटरनेट

२. श्रव्य माध्यम : रेडिओ

३. मौखिक भाषा प्रकृति/समाचार लेखन, रेडियो नाटक, विज्ञापन, उद्घोषणा, फीचर तथा रिपोर्ताज लेखन

४. दृश्य-श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन, फिल्म, वीडियो)

५. दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य-श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्ववाचन (वायस ओवर) पटकथा-लेखन,संवाद लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, ड्रामा, विज्ञापन की भाषा ।

संदर्भ ग्रंथ

१. प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
२. प्रयोजनमूल हिंदी के विविध आयाम - डॉ. महेंद्रसिंह राणा
३. प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे
४. प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना एवं अनुप्रयोग - डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त
५. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे
६. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम - डॉ. वेदप्रताप वैदिक
७. कार्यालयीन हिंदी - डॉ. विजयपाल सिंह
८. हिंदी पत्रकारिता का नया स्वरूप - बच्चन सिंह
९. पत्रकारिता विविध विधाएँ - डॉ. राजकुमारी रानी
१०. हिंदी पत्रकारिता - डॉ. धीरेंद्रनाथ सिंह
११. फीचर लेखन - डॉ. मनोहर प्रभाकर
१२. सूचना प्रौद्योगिकी और जनमाध्यम - प्रो. हरिमोहन
१३. साक्षात्कार - मनोहर श्याम जोशी
१४. समाचार संपादन - कमल दीक्षित
१५. प्रेस कॉन्फ्रेंस और भेटवार्ता - डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
१६. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. माधव सोनटक्के

अथवा

II भाषा शिक्षण

उद्देश्य :

१. भाषा शिक्षण के अर्थ एवं महत्त्व से अवगत कराना ।
२. भाषा अधिगम तथा भाषा शिक्षण की जानकारी देना ।
३. भाषा शिक्षण की विभिन्न विधियों की जानकारी देना ।
४. भाषा कौशलों से परिचित कराना ।
५. मातृभाषा, द्वितीय भाषा, अन्य भाषा तथा विदेशी भाषा की संकल्पना विशद करना ।
६. मूल्यांकन तथा परीक्षण की उपयोगिता से परिचित कराना ।
७. व्यतिरेकी विश्लेषण तथा त्रुटी विश्लेषण की संकल्पना अवगत करवाना।
८. द्वितीय और विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण प्रक्रिया को समझाना ।

अध्यापन पद्धति :

१. व्याख्यान तथा विश्लेषण

२. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा चर्चासत्र

३. भाषा प्रयोगशाला द्वारा कौशलों का अभ्यास

४. विद्यार्थियों की भावागत त्रुटियों में सुधार

५. विद्वानों के व्याख्यान

तृतीय सत्र

१. भाषा शिक्षण की संकल्पना

२. भाषा शिक्षण के संदर्भ में भाषा के प्रकार : मातृभाषा, द्वितीय भाषा, समतुल्य भाषा, सहायक भाषा, संपुरक भाषा ।

३. मातृभाषा शिक्षण तथा अन्य भाषा शिक्षण

४. मातृभाषा शिक्षण और अन्यभाषा शिक्षण में अंतर

५. द्वितीय भाषा शिक्षण तथा विदेशी भाषा शिक्षण

६. भाषा शिक्षण सिद्धांत और विधियाँ - व्याकरण अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि, श्रवण भाषण, संरचनात्मक विधि, अभिक्रमित स्वाध्याय विधि, संप्रेषणात्मक विधि ।

चतुर्थ सत्र

१. भाषा कौशल और उनका विकास

२. श्रवण कौशल विकास : श्रवण कौशल, अर्थ, श्रवण कौशल विकसित करने के आधार, श्रवण कौशल विकसित करने के सोपान ।

३. भाषा कौशल विकास : भाषा कौशल का अर्थ एवं महत्त्व, भाषण कौशल के अंग, मानक उच्चारण तथा सुधारात्मक उच्चारण शिक्षण विधि तथा सोपान ।

४. वाचन कौशल विकास : वाचन कौशल अर्थ, क्षेत्र तथा प्रकार सस्वरवाचन, मौनवाचन, वाचन विकास के सोपान ।

५. लेखन कौशल शिक्षण : लेखन कौशल अर्थ तथा प्रकार, वर्ण लेखन व्यतिरेकी विश्लेषण

६. व्यतिरेकी विश्लेषण और त्रुटी विश्लेषण : आधारभूत सिद्धांत और मान्यताएँ, भाषिक व्याघात

७. भाषा मूल्यांकन तथा परीक्षण : मूल्यांकन, परीक्षण तथा परीक्षा, परीक्षण के प्रकार, परीक्षण निर्माण के सिद्धांत : वस्तुनिष्ठ परीक्षण निर्माण संस्कृति तथा साहित्य परीक्षण

८. द्वितीय और विदेशी भाषा के रूप में हिंदी भाषा-शिक्षण

संदर्भ ग्रंथ

१. भाषा १, २ की शिक्षण-विधियों और पाठ नियोजन - डॉ. लक्ष्मीनारायण शर्मा

२. हिंदी शिक्षण - डॉ. मनोरमा शर्मा

३. हिंदी भाषा शिक्षण - डॉ. भोलानाथ तिवारी, डॉ. कैलाशचंद भाटिया

४. भाष शिक्षण - डॉ. रविंद्रनाथ श्रीवास्तव

अथवा

III अनुवाद विज्ञान

उद्देश्य :

१. अनुवाद परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व, व्याप्ति की जानकारी देना ।

२. अनुवाद के साथ भाषाविज्ञान और शैलीविज्ञान के संबंध का परिचय देना ।

३. अनुवाद के विभिन्न रूपों और उनकी प्रक्रियाओं से परिचित कराना ।

४. अनुवाद के सामाजिक और सांस्कृतिक पक्ष से अवगत कराना ।

५. अनुवाद करते समय आनेवाली विभिन्न समस्याओं से परिचित कराना और उनके समाधान की क्षमता विकसित करना ।

६. अनुवाद करने की क्षमता विकसित करना ।

अध्यापन पद्धति :

१. व्याख्यान और विश्लेषण

२. संगोष्ठी, स्वाध्याय, चर्चासत्र

३. दृक-श्राव्य माध्यमों/साधनों का प्रयोग

४. विविध भाषाओं की कृतियों को अनुवाद का अभ्यास / प्रात्याक्षिक ।

५. राजभाषा अधिकारियों के व्याख्यान

तृतीय सत्र

१. अनुवाद का स्वरूप : परिभाषा, महत्त्व एवं व्याप्ति, अनुवाद-कला, विज्ञान या शिल्प

२. अनुवाद प्रक्रिया : मूलभाषा का पाठबोधन और व्याख्या, लक्ष्यभाषा में अभिव्यक्ति, अनुवाद की प्रक्रियागत स्थितियाँ - अर्थयोग, अर्थहानि, अर्थांतरण, पुनःसृजन ।

३. अनुवाद का मौखिक तथा लिखित स्वरूप : महत्त्व एवं वर्तमानकाल में उसकी उपयोगिता, अनुवादक की योग्यता ।

४. अनुवाद के प्रकार : शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायावाद, रूपांतरण, मद्यानुवाद, पद्यानुवाद, नाट्यानुवाद, काव्यानुवाद, कथानुवाद आदि ।

५. अनुवाद कार्य में सहाय्यक साधन : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, विषय विशेष के ग्रंथ, कॉम्प्यूटर ।

६. अनुवाद और लिप्यंतरण : भाषाविज्ञान के अंग और अनुवाद ।

७. अनुवाद और भाषाविज्ञान : भाषाविज्ञान के अंग और अनुवाद, अनुवाद और रूपविज्ञान, अनुवाद और वाक्यविज्ञान, अनुवाद और अर्थविज्ञान ।

८. रचनात्मक साहित्य का अनुवाद : स्वरूप, आवश्यकताएँ, समस्याएँ और सीमा ।

चतुर्थ सत्र

९. अनुवाद का सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष : समाज विशेष एवं संस्कृति विशेष के संदर्भ में उपस्थित सामग्री में देशीय संदर्भ एवं अंतर के कारण अनुवाद कार्य में उत्पन्न समस्याएँ।

१०. वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री का अनुवाद : स्वरूप, आवश्यकता समस्याएँ

११. वाणिज्य और व्यवसाय क्षेत्र की सामग्री का अनुवाद : स्वरूप, आवश्यकता एवं समस्याएँ।

१२. बँक तथा अन्य कार्यालयों में अनुवाद की सामग्री : स्वरूप, आवश्यकता एवं समस्याएँ ।

१३. कॅम्प्यूटर अनुवाद : आवश्यकताएँ, समस्याएँ, सीमाएँ ।

१४. अनुवाद की समस्याएँ : मुहावरों और कहावतों का अनुवाद, अलंकारों का अनुवाद, काव्यानुवाद, नाटकानुवाद ।

१५. अनुवाद की शैली : स्वरूप और विशेषता, विविध शैलियों का निर्वाह अथवा परिवर्तन की संभावनाएँ

१६. अनुवाद समीक्षा : आवश्यकता और निकष ।

संदर्भ ग्रंथ

१.	अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा	-	डॉ. सुरेशकुमार
२.	अनुवादविज्ञान	-	डॉ. भोलानाथ तिवारी
३.	अनुवाद सिद्धांत और अनुप्रयोग	-	डॉ. एस.के. शर्मा
४.	अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग	-	संपा. डॉ. नगेंद्र
५.	अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग	-	डॉ. जी. गोपीनाथन
६.	अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग	-	डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
७.	अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ	-	डॉ. श्रीवास्तव / गोस्वामी
८.	अनुवाद बोध	-	संपा. डॉ. गार्गी गुप्त
९.	काव्यानुवाद की समस्याएँ : साहित्य का अनुवाद	-	डॉ. भोलानाथ तिवार / महेंद्र चतुर्वेदी

अथवा

IV मीडिया लेखन

उद्देश्य :

१. जनसंचार माध्यमों का अध्ययन

२. माध्यमोपयोगी विविध - विधाओं का सैद्धान्तिक अध्ययन

३. माध्यमोपयोगी विविध विधाओं का लेखन-कौशल प्राप्त करना

अध्यापन-पद्धति :

१. व्याख्यान

२. कार्यशाला

३. दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग

४. मीडिया कर्मियों से साक्षात्कार ।

तृतीय सत्र

१. जनसंचार : स्वरूप, प्रक्रिया और क्षेत्र

जनसंचार : तात्पर्य और स्वरूप

जनसंचार : प्रक्रिया

संचार के क्षेत्र एवं प्रकार

२. जनसंचार माध्यम : स्वरूप, प्रकार एवं विकास

जनसंचार माध्यम : तात्पर्य एवं स्वरूप

जनसंचार माध्यमों के प्रकार : परंपरागत एवं आधुनिक

श्रव्य तथा दृक श्रव्य माध्यमों का विकास

३. माध्यमों के लिए लेखन : स्वरूप और प्रकार

माध्यम लेखन और सृजनात्मक लेखन

माध्यम लेखन के विविध प्रकार

४. मुद्रित माध्यम के लिए लेखन

१. समाचार

२. संपादकीय

३. विज्ञापन

चतुर्थ सत्र

१. मुद्रित माध्यम लेखन

१. समीक्षा (Review)

२. रिपोर्ताज

३. फिचर

४. साक्षात्कार

२. श्रव्य माध्यम लेखन

रेडियो लेखन : स्वरूप और प्रकार

१. समाचार लेखन एवं प्रस्तुत

२. रेडियो वार्ता : एवं प्रस्तुति

३. रेडियो नाटक लेखन

४. रेडियो - रूपांतरण

३. दृकश्राव्य माध्यम : टी.वी. के लिए लेखन

टी.वी. लेखन : स्वरूप और प्रकार

१. समाचार : लेखन एवं प्रस्तुति

२. धारावाहिक - लेखन

३. विज्ञापन - लेखन

४. टेली फिल्म - लेखन

४. दृश्य श्राव्य माध्यम : सिनेमा लेखन

सिनेमा लेखन : स्वरूप और प्रकार

१. फिचर फिल्म लेखन

२. वृत्त चित्र लेखन

सहाय्यक ग्रंथ

१. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार - डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र, *संजय प्रकाशन, दिल्ली*

२. जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता - डॉ. अर्जुनतिवारी, *जयभारती इलाहाबाद*

३. जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य - डॉ. सुधीश पचौरी, *नटराज प्रकाशन, दिल्ली*

४. भारतीय मिडिया अंतरंग पहचान - सं. स्मिता मिश्र, *भारत पुस्तक भांडार, दिल्ली*

५. पत्रकारिता विविध विधाएँ - डॉ. राजकुमारी रानी, *जयभारतीय इलाहाबाद*

६. नये जनसंचार माध्यम और हिंदी - सं. सुधीश पचोरी, *राजकमल दिल्ली*

७. पटकथा लेखन एक परिचय - मनोहर श्याम जोशी, *राधाकृष्ण दिल्ली*

८. टेलीविजन लेखन - असार वजाहत, *राधाकृष्ण प्रकाशन*

९. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप - डॉ. माधव सोनटक्के, *छाया पब्लिकेशन*

१०. टेली विजन पटकथा लेखन - विनोद तिवारी, *परिहंस प्रकाशन, दिल्ली*

११. रेडियो नाटक की कला - डॉ. सिद्धनाथ कुमार , *राधाकृष्ण प्रकाशन*

१२. टेलीविजन लेखन : सिद्धान्त और प्रयोग - कुमुदनगर, *भारत प्रकाशन, लखनऊ*

१३. दृश्य-श्रव्य एवं जनसंचार माध्यम - कृष्णकुमार रतु, *राजस्थान ग्रंथ अकादमी, जयपुर*

१४. भारतीय सिने-सिद्धांत - अनुपम ओझा, *राधाकृष्ण दिल्ली*

१५. रेडियो लेखन - मधुकर गंगाधर, *हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना*

सहाय्यक ग्रंथ

१. पत्रकारिता : विविध विधाएँ - राजकुमारी रानी, *जयभारती इलाहाबाद*

२. समाचार पत्र का प्रबंधन - गुलाब कोठारी, *राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली*

३. समाचार संपादन - कमल दिक्षित, महेश दर्पण, *राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली*

४. भेंट वार्ता और प्रेस कॉन्फरंन्स - नंदकिशोर त्रिखा, *राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली*

५. फिचर लेखन : स्वरूप और शिल्प - मनोज प्रभाकर, *राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली*

६. पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य - राजकिशोर, *वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली*

७. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास - डॉ. अर्जुन तिवारी, *वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली*

८. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप एवं संदर्भ - विनोद गोदहे, *वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली*

९. पत्रकारिता के सिद्धान्त - डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, *अशोक प्रकाशन, नयी दिल्ली*

१०. मीडिया लेखन : सिद्धान्त और व्यवहार - डॉ. चंद्रप्रकाश, *संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली*

एम.ए. हिन्दी - II द्वितीय वर्ष

प्रश्नपत्र ५ भारतीय साहित्य

(४ क्रेडिट पाठ्यक्रम)

तृतीय सत्र (Semister - III)

सत्र पद्धति २०१० से लागु

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

प्र. १	रचनाओं पर विकल्प सहित ससंदर्भ के लिए अवतरण	५ अंक
प्र. २	पाठ्यांशपर विकल्पसहित प्रश्न	५ अंक
प. ३	उचक्का पर विकल्प सहित प्रश्न	५ अंक
प्र. ४	बाकी इतिहास पर विकल्प सहित प्रश्न	५ अंक
प्र. ५	टिप्पणियाँ	१० अंक
	अ. पाठ्यांश पर विकल्पसहित	
	आ. प्रतिनिधि रचनाओं पर विकल्पसहित	

अंतर्गत मूल्यांकन

गृहकार्य	१) पाठ्यांशपर आधारित	१० अंक
मौखिकी	२) पाठ्यांशपर	१० अंक

एम.ए. हिन्दी - II द्वितीय वर्ष

प्रश्नपत्र ५ भारतीय साहित्य

(४ क्रेडिट पाठ्यक्रम)

चतुर्थ सत्र (Semister - IV)

सत्र पद्धति २०१० से लागु

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

प्र. १	वर्षा की सुबह पर विकल्प सहित ससंदर्भ के लिए अवतरण	५ अंक	
प्र. २	पाठ्यांशपर विकल्पसहित प्रश्न		५ अंक
प. ३	वर्षा की सुबह पर विकल्प सहित प्रश्न		५ अंक
प्र. ४	अधुरे-मनुष्य पर विकल्प सहित प्रश्न		५ अंक
प्र. ५	टिप्पणियाँ		
	अ. पाठ्यांश पर विकल्प सहित	५ अंक	
	आ. अधुरे मनुष्य पर विकल्पसहित		५ अंक

अंतर्गत मूल्यांकन

गृहकार्य	१) पाठ्यांशपर आधारित	१० अंक
मौखिकी	२) पाठ्यांशपर	१० अंक

एम.ए. हिन्दी - II द्वितीय वर्ष

प्रश्नपत्र ६ आधुनिक हिन्दी कविता : सामान्य

(४ क्रेडिट पाठ्यक्रम)

तृतीय सत्र (Semister - III)

सत्र पद्धति २०१० से लागु

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

प्र. १	रचनाओं से ससंदर्भ व्याख्या के लिए विकल्पसहित अवतरण		५ अंक
प्र. २	कामायनी पर विकल्पसहित प्रश्न	५ अंक	
प. ३	प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी की श्रेष्ठ रचनाओं पर विकल्प के साथ प्रश्न	५ अंक	
प्र. ४	आज के लोकप्रिय कवि बच्चन पर विकल्प सहित प्रश्न		५ अंक
प्र. ५	टिप्पणियाँ		
	अ. रचनाओं पर विकल्पसहित		५ अंक
	आ. रचनाओं पर विकल्पसहित		५ अंक

अंतर्गत मूल्यांकन

१) गृहकार्य	-	रचनाओं पर	१० अंक
२) मौखिकी	-	रचनाओं पर	१० अंक

एम.ए. हिन्दी - II द्वितीय वर्ष

प्रश्नपत्र ६ आधुनिक हिन्दी कविता : सामान्य

(४ क्रेडिट पाठ्यक्रम)

चतुर्थ सत्र (Semister - IV)

सत्र पद्धति २०१० से लागु

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

प्र. १	रचनाओं से ससंदर्भ के लिए विकल्प सहित अवतरण	५ अंक
प्र. २	द्रोपदी पर विकल्प सहित प्रश्न	५ अंक
प. ३	छायान्तर में समाविष्ठ कवि और कविताओं पर विकल्प के साथ प्रश्न	५ अंक
प्र. ४	छायान्तर में समाविष्ठ कवि और कविताओं पर विकल्प के साथ प्रश्न	५ अंक
प्र. ५	टिप्पणियाँ	
	अ. द्रौपदी पर विकल्प के साथ	५ अंक
	आ. छायान्तर पर विकल्प के साथ	५ अंक

अंतर्गत मूल्यांकन

१) गृहकार्य	-	संपूर्ण पाठ्यक्रम पर	१० अंक
२) मौखिकी	-	संपूर्ण पाठ्यक्रम पर	१० अंक

एम.ए. हिन्दी - II द्वितीय वर्ष

प्रश्नपत्र ७ भाषा विज्ञान तथा हिन्दी भाषा

(४ क्रेडिट पाठ्यक्रम)

तृतीय सत्र (Semister - IV)

सत्र पद्धति २०१० से लागु

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

प्र. १	पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ	५ अंक
प्र. २	पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ	५ अंक
प. ३	पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ	५ अंक
प्र. ४	पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ	५ अंक
प्र. ५	टिप्पणियाँ	
	अ. पाठ्यक्रम पर	५ अंक
	आ. पाठ्यक्रम पर	५ अंक

अंतर्गत मूल्यांकन

१) गृहकार्य	-	संपूर्ण पाठ्यक्रम पर	१० अंक
२) मौखिकी	-	संपूर्ण पाठ्यक्रम पर	१० अंक

एम.ए. हिन्दी - II द्वितीय वर्ष

प्रश्नपत्र ७ भाषा विज्ञान तथा हिन्दी भाषा

(४ क्रेडिट पाठ्यक्रम)

चतुर्थ सत्र (Semister - IV)

सत्र पद्धति २०१० से लागु

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

प्र. १	पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ	५ अंक
प्र. २	पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ	५ अंक
प. ३	पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ	५ अंक
प्र. ४	पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ	५ अंक
प्र. ५	टिप्पणियाँ	
	अ. पाठ्यक्रम पर	५ अंक
	आ. पाठ्यक्रम पर	५ अंक

अंतर्गत मूल्यांकन

१) गृहकार्य	-	संपूर्ण पाठ्यक्रम पर	१० अंक
२) मौखिकी	-	संपूर्ण पाठ्यक्रम पर	१० अंक

एम.ए. हिन्दी - II द्वितीय वर्ष

प्रश्नपत्र ८ वैकल्पिक प्रश्नपत्र : व्यावसायिक वर्ग

१. प्रयोजनमूलक हिन्दी

(४ क्रेडिट पाठ्यक्रम)

चतुर्थ सत्र (Semister - IIII)

सत्र पद्धति २०१० से लागु

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

प्र. १	खण्ड क कामकाजी हिन्दी पर विकल्प के साथ	५ अंक
प्र. २	खण्ड क कामकाजी हिन्दी पर विकल्प के साथ	५ अंक
प. ३	खण्ड ख अनुवाद सिद्धान्त और व्यवहार पर विकल्प के साथ प्रश्न	५ अंक
प्र. ४	खण्ड ख अनुवाद सिद्धान्त और व्यवहार पर विकल्प के साथ प्रश्न	५ अंक
प्र. ५	टिप्पणियाँ	
	अ. कामकाजी हिन्दी पर विकल्प के साथ विकल्प के साथ	५ अंक
	आ. अनुवाद सिद्धान्त और व्यवहार पर विकल्प के साथ	५ अंक

अंतर्गत मूल्यांकन

१) गृहकार्य	-	कामकाजी हिन्दी पर	१० अंक
२) मौखिकी	-	अनुवाद सिद्धान्त और व्यवहार पर	१० अंक

एम.ए. हिन्दी - II द्वितीय वर्ष

प्रश्नपत्र ८ वैकल्पिक प्रश्नपत्र : व्यावसायिक वर्ग

१. प्रयोजनमूलक हिन्दी

(४ क्रेडिट पाठ्यक्रम)

चतुर्थ सत्र (Semister - IV)

सत्र पद्धति २०१० से लागु

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

प्र. १	खण्ड ग पत्रकारिता पर विकल्प के साथ प्रश्न	५ अंक
प्र. २	खण्ड ग पत्रकारिता पर विकल्प के साथ प्रश्न	५ अंक
प. ३	खण्ड घ मीडिया लेखन पर विकल्प के साथ	५ अंक
प्र. ४	खण्ड घ मीडिया लेखन पर विकल्प के साथ	५ अंक
प्र. ५	टिप्पणियाँ	
	अ. पत्रकारिता पर विकल्प के साथ	५ अंक
	आ. मीडिया लेखन पर विकल्प के साथ	५ अंक

अंतर्गत मूल्यांकन

१) गृहकार्य	-	मीडिया लेखन पर	१० अंक
२) मौखिकी	-	पत्रकारिता पर	१० अंक

एम.ए. हिन्दी - II द्वितीय वर्ष तृतीय तथा चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र ८ वैकल्पिक प्रश्नपत्र - II भाषा शिक्षण

III अनुवाद

IV मीडिया लेखन

(४ क्रेडिट पाठ्यक्रम)

चतुर्थ सत्र (Semister - IV)

सत्र पद्धति २०१० से लागु

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

प्र. १	पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ	५ अंक
प्र. २	पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ	५ अंक
प. ३	पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ	५ अंक
प्र. ४	पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ	५ अंक
प्र. ५	टिप्पणियाँ	
	अ. पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ	५ अंक
	आ. पाठ्यक्रम पर विकल्प के साथ	५ अंक

अंतर्गत मूल्यांकन

१) गृहकार्य	-	संपूर्ण पाठ्यक्रम पर	१० अंक
२) मौखिकी	-	संपूर्ण पाठ्यक्रम पर	१० अंक